

अध्याय - 6 | पुष्पी पादपों का शारीर

- द्विबीजपत्री तने की हाइपोडर्मिस किससे बनी होती है?
 - A. पैरेंकाइमा
 - B. कॉलेंकाइमा
 - C. स्क्लेरेंकाइमा
 - D. एपिडर्मिस(B)

व्याख्या: द्विबीजपत्री तने की हाइपोडर्मिस कॉलेंकाइमा कोशिकाओं से बनी होती है जो यांत्रिक सहारा प्रदान करती हैं।

- द्विबीजपत्री तने में संवहनी बंडल का प्रकार क्या होता है?
 - A. बंद, संयुक्त और एक्सार्क
 - B. खुला, संयुक्त और एंडार्क
 - C. बंद, अलग-अलग और एक्सार्क
 - D. खुला, संयुक्त और मेटार्क(B)

व्याख्या: द्विबीजपत्री तने में संवहनी बंडल खुला, संयुक्त और एंडार्क प्रकार का होता है, जो द्वितीयक वृद्धि को संभव बनाता है।

- एकबीजपत्री तने में हाइपोडर्मिस कैसी होती है?
 - A. पैरेंकाइमा
 - B. स्क्लेरेंकाइमा
 - C. कॉलेंकाइमा
 - D. पेरिडर्म(B)

व्याख्या: एकबीजपत्री तने की हाइपोडर्मिस स्क्लेरेंकाइमा कोशिकाओं से निर्मित होती है, जिससे तना कठोर बनता है।

- द्विबीजपत्री तने में कौन-सा संरचनात्मक गुण पाया जाता है जो एकबीजपत्री में नहीं होता?
 - A. बंद संवहनी बंडल
 - B. बिखरे हुए संवहनी बंडल
 - C. स्टार्च आच्छद की उपस्थिति
 - D. पिथ का अभाव(C)

व्याख्या: द्विबीजपत्री तने में स्टार्च आच्छद पाया जाता है जबकि एकबीजपत्री तने में यह अनुपस्थित होता है।

- एकबीजपत्री तने में संवहनी बंडल कैसे व्यवस्थित होते हैं?
 - A. छल्ले के रूप में
 - B. बिखरे हुए रूप में
 - C. एक पंक्ति में
 - D. केंद्र में(B)

व्याख्या: एकबीजपत्री तने में संवहनी बंडल बिखरे हुए रूप में व्यवस्थित होते हैं, जबकि द्विबीजपत्री तने में वे छल्ले के रूप में पाए जाते हैं।

- द्विबीजपत्री पत्ती में कौन-सा शिरा विन्यास पाया जाता है?
 - A. समानान्तर शिराविन्यास
 - B. जालिकाशिराविन्यास
 - C. शाखायुक्त शिराविन्यास
 - D. वृत्ताकार शिराविन्यास(B)

व्याख्या: द्विबीजपत्री पत्तियों में जालिकाशिराविन्यास पाया जाता है, जिसमें शिराएँ जाल की तरह एक-दूसरे से जुड़ी रहती हैं।

- एकबीजपत्री पत्तियों में कौन-सा शिरा विन्यास पाया जाता है?
 - A. जालिकाशिराविन्यास
 - B. समानान्तर शिराविन्यास
 - C. सर्पिल शिराविन्यास
 - D. मिश्रित शिराविन्यास(B)

व्याख्या: एकबीजपत्री पत्तियों में समानान्तर शिराविन्यास पाया जाता है, जैसे—गेहूँ, मक्का और धान में।

- द्विबीजपत्री पत्ती के मेसोफिल में कौन-से दो प्रकार की कोशिकाएँ पाई जाती हैं?
 - A. खम्म कोशिका और स्पंजी कोशिका
 - B. पैरेंकाइमा और स्क्लेरेंकाइमा
 - C. कॉलेंकाइमा और पिथ
 - D. फ्लोएम और जाइलम(A)

व्याख्या: द्विबीजपत्री पत्तियों के मेसोफिल ऊतक में दो प्रकार की पैरेंकाइमा कोशिकाएँ पाई जाती हैं — खम्म कोशिका और स्पंजी कोशिका।

- एकबीजपत्री पत्तियों में बुलिफॉर्म कोशिकाएँ कहाँ पाई जाती हैं?
 - A. एंडोडर्मिस में
 - B. बाह्यत्वचा में
 - C. मेसोफिल में
 - D. संवहनी बंडल में(B)

व्याख्या: बुलिफॉर्म कोशिकाएँ एकबीजपत्री पत्तियों की बाह्यत्वचा में पाई जाती हैं और वे जल की कमी होने पर पत्ती को मुड़ने में सहायता करती हैं।

- पत्ती के मेसोफिल का प्रमुख कार्य क्या है?
 - A. वाष्पोत्सर्जन
 - B. प्रकाश संश्लेषण
 - C. जल परिवहन
 - D. यांत्रिक सहारा(B)

व्याख्या: पत्ती के मेसोफिल में क्लोरोप्लास्ट उपस्थित होते हैं जो प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।